बिहार विधायिका सभा वादवृत्त

बृहस्पतिवार तिथि २२ दिसम्बर १९४९।

भारत शासन विधान १९३५ के प्रत्यावधान के अनुसार एकत्र विधायिका सभा का कार्य विवरण।

सभा की बैठक पटने के सभा-वेश्म में बृहस्पतिवार तिथि २२ दिसम्बर १९४९ को ११-३० बजे पूर्वान्ह में माननीय प्रमुख श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुई ;

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा दी गयी उपाधियें की स्वीकृति ।

२६६ । श्री लक्ष्मी नारायण 'सुधांसु' : क्या प्रधान मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि सरकारी नौकरी के लिये सरकार ने राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा दी गयी उपाधियाँ स्वीकृत विश्वविद्यालयों द्वारा दी गई उपाधियों के समकक्ष माना है ;

(ख) यदि अनुखंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक हो तो क्या सरकार यह बताने की कृपा करेगी कि सरकारी नौकरियों पर, अब तक राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के उपाधिधारी कितनी संख्या में नियुक्त किये गये हैं ?

माननीय डा० श्री कृष्ण सिंह :

(क) उत्तर 'हां' में है ।

(ख) राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से उपाधि प्राप्त प्रायः ६६ व्यक्ति सरकारी नौकरियों में नियुक्त किये गये हैं ।

बिहार के संरक्षित वन का परिमाण ।

२६७ । श्री किशोरी मोहन उपाध्याय : क्या वन विभाग के माननीय मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) बिहार में संरक्षित वन के क्या परिमाण हैं ।

(ख) वर्तमान मंत्री मण्डल के स्थापन काल से किन-किन जिलों में नये बन संरक्षित हुये हैं और उनका परिमाण क्या है ;

(ग) इसके पहले उसका परिमाण क्या है ;

(घ) प्रति जिले में बन संरक्षण में क्या खर्च होता है ;

(ङ) प्रति जिले में इससे क्या आय है और गत तीन साल में क्या आय हुआ ?

माननीय श्री कृष्ण वल्लभ सहाय :

(क) (१) संरक्षित जंगल, (२) संरक्षित जंगल और (३) निजी सुरक्षित जंगल के रकबे क्रमशः १,५०३ वर्ग मील, ८०७ वर्ग मील और ६,८१८ वर्गमील है ।

(ख)
(१)	रांची	...	... लगभग १,५०० वर्गमील ।
(२)	हजारीबाग जिसमें गिरीडीह सम्मिलित है		३,६४३ वर्गमील ।
(३)	गया	...	... २६६ वर्गमील ।
(४)	पलामू	...	... २,५५८ वर्गमील ।
(५)	मानभुम	...	... ५०० वर्गमील ।
(६)	संथाल परगना	...	... ३०० वर्गमील ।
(७)	मुंगेर	...	... ७३४ वर्गमील ।
(८)	सिंहभुम	...	... ३१४ वर्गमील ।
	कुल		... ६,८१८ वर्गमील ।

(ग) संरक्षित जंगला के १,४०३ वर्गमील और सुरक्षित जंगलों के ८०७ वर्गमील जिनका योग २,२१० वर्गमील होता है।

(घ) और (ङ) विवरण मेज पर रखा हैं।

१९४५-४६ से १९४७-४८ तक की अवधि में प्राप्ति (आय), व्यय, आधिक्य और न्यूनता का विवरण।

डिवीजन।	आय।	व्यम।	आधिक्य।	न्यूनता।
	रु०	रु०	रु०	रु०
संथाल परगना	३,०१,४९०	१,११,८६२	१,८६,६२८	
सारन्दा	४,०७,२६९	१,३८,२०३	२,६६,०६६	
कोलह्न	२,६४,२१६	१,०४,४०२	१,५६,८१७	
पोरहत	६,२०,००५	६२,८६९	५,२७,१३६	
चाईबासा	२,५३,९८१	५५,६६२	१,९८,०१६	
दालभूम	१,८२,११२	१,३१,८६६	५०,२४३	
मूंगेर	४,०३४	१२,७५४		८,७२०
शोध और चालू योजनाएं	६,४११	२८,४७०		१६,०५६
प्रबंध	१८,६०४	१,५१,०२७		१,३२,४२३
पलामू	५,१५,३७७	१,२८,६७८	३,८६,६६६	
हजारीबाग	१,५५,४९०	१,२२,२६८	३३,२२२	
	२७,३१,६६२	१०,७८,३६४	१८,१३,८३०	१,६०,२०२

१९४६-४७ ।

डिवीजन ।	आय ।	व्यय	आधिक्य ।	न्यूनता ।
	रु०	रु०	रु०	रु०
संथाल परगना	२,६५,०५०	१,४०,१८४	१,२४,८६६	
सारन्दा	४,४०,४१६	१,६५,५८४	१,७४,८३२	
कोलहन	२८,०९६	१,२६,२१०	१,४४,५८६	
पोरहत	३,९४,०३३	१,२८,५३४	२,६५,४९९	
चाईबासा	२,२२,९८१	७६,३९९	१,४६,५८६	
दालभूम	१,८५,४०७	१,३६,९३८	४८, ६९	
मुंगेर	८५,६८२	१,००,७८७		१५,१०५
शोध और चालू योजनाएं	५००	४५,६१६		४५,११६
प्रबन्ध	२६,४३७	२,२८,०९८		२,०१,६६१
पलामू	५,८३,६७४	१,७९,९८९	४,०३,६८५	
हजारीबाग	१,०८,४०२	१,२६,९५०		१८,५४८
रांची	६९,२५६	१,१४,६५३		४५,३९७
मानभूम	२६,८५७	५१,००२		२४,१४५
डी० डी० सर्किल	९०	३०,१९२		३०,१०२
	२६,८१,५८५	१६,५०,९६६	१४,१८,५२३	३,७९,१०४

१९४७-४८

संथाल परगना	३,४३,३५२	१,७०,०३७	१,७३,३१५	
सारन्दा	६,०४,८७१	१,६४,४५१	४,४०,४२०	

१९४७-४८

डिवीजन।	आय।	व्यय।	आधिक्य।	न्यूनता।
	रु०	रु०	रु०	रु०
कोल्हन	३,१८,९७५	१,७१,५२०	१,४७,४४५	
पोरहत	५,२८,९५६	१,५५,०८४	३,७३,८७२	
चाईबासा	२,५६,३४२	७३,४५०	१,८२,८९२	
दालभूम	१,४३,६२१	१,३३,८१४	९,८०७	
मुंगेर	१,१८,०५९	१,८०,५४१		६२,४८२
शोध और चान्दू योजनाएं	१५,८२६	६०,४०५		४४,५७९
प्रबंध	२०,९४४	२,४५,२१०		२,२४,२६६
हजारीबाग	१,८४,५४२	३,१५,६४५		१,३०,१०३
पलामू	५,५७,२०५	२,६१,०६६	२,९६,१४२	
रांची	६७,७३५	२,०८,८६६		१,४१,१३१
गिरीडीह	४,८९२	१९,४३०		१४,५३८
मानभूम	६४,२३७	१,५७,९७८		९३,७४१
	३२,३०,४५७	२३,५७,५०४	१६,२३,८९३	७,१०,९४०

बन विभाग में नियुक्त।

२९८। श्री किशोरी मोहन उपाध्याय : क्या माननीय मंत्री, बन विभाग यह बताने को कृपा करेंगे कि—

(क) वर्तमान मंत्री मण्डल स्थापन के समय में किस किस पद पर कितने आदमी नियुक्त बन विभाग में हुए हैं, इनमें से खास सिंहभुम जिले के वाशिंदे कितने हैं और कितने किस-किस पद पर नियुक्त हुए हैं ;